भारती कॉलेज
वर्ष 2022
पाठ्यक्रम विवरण (जुलाई-नवंबर 2022)

पाठ्यक्रम: बी.ए. हिंदी (ऑनर्स)
सत्र-प्रथम : (जुलाई-नवंबर 2022)
हिंदी निबंध और गद्य विधाएं
शिक्षक का नाम: डॉ. गीता मीना

पाठ्यक्रम

इकाई-1 : निबंध

बालकृष्ण भट्ट - जुबान
बालकृष्ण मुकुंद गुप्त - मेले का ऊंट
सरदार पूर्ण सिंह - आचरण की सभ्यता
रामचंद्र शुक्ल - लोग और प्रीति, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, चिंतामणि

इकाई -2 : निबंध

हजारी प्रसाद द्विवेदी - कुटज
विद्यानिवास मिश्र - मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
हरिशंकर परसाई - वैष्णव की फिसलन
कुबेरनाथ राय - रस आखेटक

इकाई 3 : जीवनी/आत्मकथा

पांडेय बेचन शर्मा -अपनी खबर, आत्माराम एंड संस
रामविलास शर्मा - 'निराला की साहित्य साधना' भाग 1 से ;नए संघर्ष'
शीर्षक अध्याय

इकाई 4 : संस्मरण/ रेखाचित्र/ यात्रा- वृतांत

-संस्मरण: अज्ञेय के साथ- आचार्य आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री, 'हंसबलाका' से
- रेखा चित्र: सुभान खां- रामवृक्ष बेनीपुरी माटी की मुरतें ग्रंथावली से
-यात्रा वृतांत: राहुल सांकृत्यायन अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा

पाठ्यक्रम विवरण

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी साहित्य की नवीन गद्य विधाओं से परिचित होते हैं जिससे उनकी विचार शक्ति और भाषा शैली में संक्षिप्ता, विचारों की क्रमबद्ता तथा प्रभावपूर्ण एवं सटीक अभिव्यक्ति का विकास होता है।

शिक्षण समय: 12 सप्ताह (लगभग)

कक्षाएं : इस पाठ्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार सप्ताह के 5 दिन प्रस्तुत समय सारणी द्वारा आयोजित की गई। विद्यार्थियों को विषय से संबंधित पुस्तकों की जानकारी प्रदान की गई साथ ही विषय से संबंधित विद्वानों द्वारा लिखित सामग्री दी गई।

इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :

सप्ताह	**विषय**
सप्ताहा-1	निबंध का परिचय एवं विकास पर चर्चा
सप्ताह-2	बालकृष्ण भट्ट - जुबान (निबंध) और बालमुकुंद गुप्त - मेले का ऊंट (निबंध)
सप्ताह-3	**पुर्नावृति एवं प्रथम असाइनमेंट (Assigment)**
सप्ताह-4	रामचंद्र शुक्ल- लोभ और प्रीति (निबंध) चिंतामणि से
सप्ताह-5	हजारी प्रसाद द्विवेदी- कुटज (निबंध) और विद्यानिवास मिश्र- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है (निबंध)
सप्ताह-6	**पुर्नावृति एवं द्वितीय असाइनमेंट (Assigment)**
सप्ताह-7	हरिशंकर परसाई- वैष्णव की फिसलन (निबंध) और कुबेर नाथ राय- रस आखेटक (निबंध)
सप्ताह-8	जीवनी एवं आत्मकथा पर चर्चा तथा पांडेय बेचन शर्मा - अपनी खबर (जीवनी)
सप्ताह-9	**Class Test (पढ़ाई जा चुके पाठ से) एवं पुर्नावृति**
सप्ताह-10	रामविलास शर्मा - 'निराला की साहित्य साधना' भाग 1 से 'नए संघर्ष' (आत्मकथा)
सप्ताह-11	गद्य की विधाएं : संस्मरण / रेखा चित्र / यात्रा वृतांत पर चर्चा, तथा संस्मरण : अज्ञेय के साथ
सप्ताह-12	रेखा चित्र : सुभान खां - रामवृक्ष बेनीपुरी तथा यात्रा वृतांत : राहुल सांकृत्यायन घुमक्कड़ जिज्ञासा

संबंधित पुस्तकें :

- हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी आत्मकथा : सिद्धांत और स्वरूप - विश्लेषण - विनीता अग्रवाल
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- भारतेंदु युग : रामविलास शर्मा
- छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- आधुनिक हिंदी गद्य का सहित - हरदयाल
- गद्यकारआचार्य जानकी बल्लभ शास्त्री - पाल भसीन

- साहित्य से संवाद - गोपेश्वर सिंह
- निबंधों की दुनिया - विजय देवनारायण साही, प्र. सं. - निर्मला जैन, सं. हरिमोहन शर्मा

वर्ष 2022
पाठ्यक्रम विवरण (जुलाई- नवंबर 2022

पाठ्यक्रम : बी.ए. हिंदी (विशेष)
सत्र : प्रथम (जुलाई- नवंबर 2022),
पेपर : हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण
शिक्षक का नाम : डॉ. गीता मीना

पाठ्यक्रम

इकाई 1 : भाषा और व्याकरण

भाषा की परिभाषा और विशेषताएं
व्याकरण की परिभाषा , महत्व, भाषा और व्याकरण का अंत: संबंध
ध्वनि और वर्ण
हिंदी की ध्वनियों का वर्गीकरण (स्वर ,व्यंजन और मात्राएं)

इकाई 2 : शब्द - विचार

शब्द की परिभाषा और उसके भेद (रचना एवं स्रोत के आधार पर)
शब्दों की व्याकरणिक कोटियां (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया आदि)
(केवल परिभाषा एवं भेद)
शब्दों का रूपांतरण शब्दगत अशुद्धियां
शब्द - निर्माण (उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास)

इकाई 3 : पद - विचार

शब्द और पद में अंतर
विकारी शब्दों की रूप - रचना (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया)
अविकारी शब्द (अव्यय)

इकाई 4 : वाक्य विचार

वाक्य की परिभाषा और उसके अंग
वाक्य के भेद (रचना एवं अर्थ के आधार पर)
वाक्य संरचना (पदक्रम, अन्विति और विराम चिह्न)
वाक्यगत अशुद्धियां

पाठ्यक्रम विवरण

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी भाषा का व्यवहारिक व्याकरण की परिभाषा उसके भेद व् नियमों के महत्व को समझ पाएंगे तथा हिंदी भाषा के व्याकरण के नियमों से अवगत हो पाएंगे जिससे उनमे आत्मविश्वास, सर्जनात्मक बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

शिक्षण समय : 14 सप्ताह (लगभग)

कक्षाएं : इस पाठ्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार सप्ताह के 5 दिन प्रस्तुत समय सारणी द्वारा आयोजित की गई विद्यार्थियों को विषय से संबंधित पुस्तकों की जानकारी प्रदान की गई साथ ही विषय से संबंधित विद्वानों द्वारा लिखित सामग्री दी गई।

इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :

सप्ताह	**विषय**
सप्ताह - 1	भाषा और व्याकरण की विशेषताओं पर चर्चा तथा व्याकरण की परिभाष और उसके भेद : वर्ण विचार, शब्द विचार, वाक्य विचार व् रचना विचार तथा व्याकरण का महत्व, भाषा और व्याकरण का अंत: संबंध
सप्ताह - 2	ध्वनि और वर्ण : हिंदी की ध्वनियों का वर्गीकरण (स्वर व्यंजन और मात्राएं)
सप्ताह - 3	**पुर्नावृति एवं प्रथम असाइनमेंट (Assigment)**
सप्ताह - 4	शब्द - विचार : शब्द परिचय एवं शब्दों के भेद (रचना एवं स्त्रोत के आधार पर), अब शब्दों की व्याकरण कोटियां (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया) केवल परिभाषा एवं भेद
सप्ताह - 5	शब्दों का रूपांतरण, शब्दगत अशुद्धियां तथा शब्द - निर्माण (उपसर्ग प्रत्यय संधि और समास)
सप्ताह - 6	**पुर्नावृति एवं द्वितीय असाइनमेंट (Assigment)**
सप्ताह - 7	पद - विचार :शब्द और पद में अंतर, विकारी शब्दों की रूप रचना (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया), अविकारी शब्द (अव्यय)
सप्ताह - 8	वाक्य विचार : वाक्य की परिभाषा और उसके अंग - उद्देश्य और विधेय, वाक्य के भेद _ (रचना के आधार पर और अर्थ के आधार पर)
सप्ताह - 9	**Class Test (पढ़ाई जा चुके पाठ से) एवं पुर्नावृति**
सप्ताह - 10	वक्त संरचना : पदक्रम, अन्विति और विराम चिह्न
सप्ताह - 11	वाक्यगत अशुद्धियां : व्याकरण व्यवहार पर आधारित

सप्ताह - 12	शब्दों का रूपांतरण, शब्दगत अशुद्धियां
सप्ताह - 13	शब्द निर्माण : उपसर्ग, प्रत्यय,संधि और समास
सप्ताह - 14	**Class Test (पढ़ाई जा चुके पाठ से) एवं पुर्नावृति**

संबंधित पुस्तकें

हिंदी भाषा का इतिहास - धीरेंद्र वर्मा
भारतीय पुरालिपि - डॉ. राजबली पांडेय
हिंदी भाषा का उद्भव और विकास - उदय नारायण तिवारी
हिंदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक - डॉ. हनुमान प्रसाद शुक्ल
लिपि की कहानी - गुणाकर मुले
भाषा और समाज - रामविलास शर्मा
हिंदी भाषा का उद्गम और विकास - उदय नारायण तिवारी
हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
हिंदी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु
हिंदी शब्दानुशासन - किशोरी दास बाजपेयी
हिंदी भाषा की सरचना - भोलानाथ तिवारी
हिंदी व्याकरण - एनसीईआरटी

भारती कॉलेज
वर्ष : 2022
पाठ्यक्रम विवरण : (जुलाई-नवम्बर 2022)

पाठ्यक्रम : बी. ए. प्रोग्राम

सत्र : प्रथम (जुलाई-नवम्बर 2022)

पेपर : हिंदी गद्य उद्भव और विकास (MIL)

शिक्षक : डॉ. गीता मीना

पाठ्यक्रम

इकाई 1 : हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय

इकाई 2 हिंदी गद्य उद्भव और विकास सामान्य परिचय

1) बूढ़ी काकी - प्रेमचंद

2) गुंडा - जयशंकर प्रसाद

3) उसने कहा था- बेचैन शर्मा उग्र

इकाई 3 :

1) मेले का ऊंट- बालमुकुंद गुप्त

2)इंग्लैंड और भारतवर्ष: भारतेन्दु

3)सदाचार का ताबीज़: हरिशंकर परसाई

इकाई 4:

1) अंधेर नगरी- भारतेन्दु

2) बिबिया - महादेवी वर्मा

पाठ्यक्रम विवरण

हिंदी की गद्य विधाओं से परिचय आधुनिक गद्य साहित्य की चिंतन और शैली जानने का मौका मिलेगा।गद्य में नाटक,एकांकी,निबंध आदि के लेखन की भी प्रेरणा मिलेगी।बच्चों में कहानी, नाटक ,उपन्यास को लेकर रुचि उत्पन्न होगी।

शिक्षण समय : 14 सप्ताह (लगभग)

कक्षाएं : विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुरूप सप्ताह में 5 दिन कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। ट्यूटोरियल कक्षाओं में विद्यार्थियों के प्रश्नों और जिज्ञासाओं का निवारण किया जाएगा। सामूहिक चर्चा, विषय प्रस्तुति और असाइनमेंट द्वारा विद्यार्थियो की आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियों को पूर्ण किया जाएगा।साथ ही , सहायक ग्रंथों का परिचय देते हुए पठन सामग्री भी प्रदान की जाएगी।

इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :

सप्ताह	**विषय**
सप्ताह 1	हिंदी गद्य विधाओं का परिचय
सप्ताह 2	कहानी का परिचय
सप्ताह 3	निबंध का परिचय
सप्ताह 4	नाटक, एकांकी एवं रेखाचित्र का परिचय
सप्ताह 5	बूढ़ी काकी कहानी ,प्रेमचंद एवं कहानी का विश्लेषण
सप्ताह 6	गुंडा **कहानी का विवेचन और प्रसाद की कहानी कला का शिक्षण**
सप्ताह 7	उसने कहा था की समीक्षा और बेचैन का परिचय
सप्ताह 8	तीनो इकाइयों की पुनरावृत्ति
सप्ताह 9	बाल मुकुंद गुप्तका परिचय और उनके निबंध की समीक्षा

सप्ताह 10	भारतेंदु का परिचय और उनका निबंध
सप्ताह 11	भारतेंदु का परिचय का और उनका निबंध
सप्ताह 12	भारतेन्दु का परिचय और उनकी एकांकी की समीक्षा
सप्ताह 13	महादेवी वर्मा का परिचय और उनके रेखाचित्र का पाठ
सप्ताह 14	हरिशंकर परसाई जी का परिचय और उनके व्यंग्य की समीक्षा

सम्बंधित पुस्तकें :

- हिंदी का गद्य साहित्य:रामचंद्र तिवारी
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास: बच्चन सिंह
- निबंधों की दुनिया : निर्मला जैन,हरिमोहन शर्मा, विजयदेनारायण साही
- हिंदी रेखाचित्र: हरवंश लाल शर्मा
- निबंधों की दुनिया: निर्मला जैन, अनिल राय,शिवपूजन सहाय